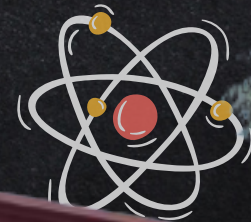


# SSSUTMS eKnowledge

★ Vol 05 ★ Issue 01 ★ 01 to 15, October 2023

Madhya Pradesh first eknowledge book of skill, education & employability



nal bank  
ama

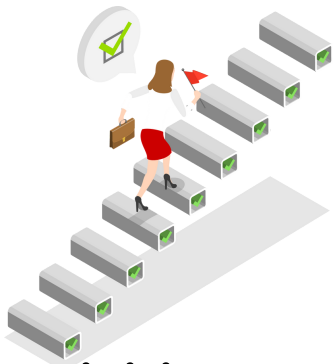
**Guided By :**

Dr Mukesh Tiwari,  
Professor, VC

Sri Satya Sai University of Technology and Medical  
Sciences, Sehore (MP)

**Prepared By :**

Dr Ajay Kumar Choubey  
Associate Professor



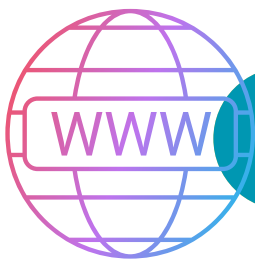
*Activities , p. 1-7*



*Article, p. 8-11*



*Upcoming , p. 12*



**Visit - [www.sssutms.co.in](http://www.sssutms.co.in)**

स्टूडेंट्स, फैकल्टी या यूनिवर्सिटी से जुड़े सभी, अपनी रचना, शोध, करियर, स्टार्टअप या एजुकेशन से जुड़े लेख को शेयर करने के लिए, नीचे दिए ईमेल पर संपर्क करें -



**[info@sssutms.co.in](mailto:info@sssutms.co.in)**

**[a1ja1y@yahoo.co.in](mailto:a1ja1y@yahoo.co.in)**

# Research Activity



*Where talent meets opportunity*  
**SRI SATYA SAI UNIVERSITY**  
**OF TECHNOLOGY AND MEDICAL SCIENCES**

## Faculty Achievements

## Congratulations! ON Design Patent Award

**Title:**  
Adjustable laptop table

Patent Granted By:  
**The Controller of Patents,  
The Patent Office, GOI**



**Dr. Mukesh Tiwari,**  
VC, SSSUTMS



**Dr. AJAY SWARUP,**



**Dr. DHARMENDRA SINGH RAJPUT,**



**Mr. SUDEESH CHOUHAN,**



**Dr. RISHIKESH YADAV,**

**Mr. VIKAS PATIDAR,**



Dept. of CE, CSE, EC, Education, ME

9893684441



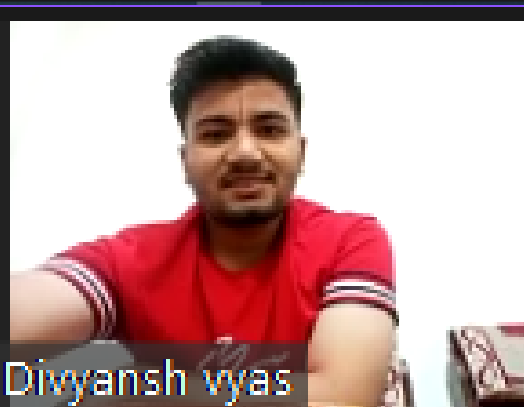
www.sssutms.co.in

# Student Activity

Proud moment ...



Our NEP Saarthi's live interaction with the UGC Chairman.



# Academic Activity

# Webinar



  **Live Session**

Sri Satya Sai University Of Technology  
And Medical Sciences, Sehore, MP

Organizing

## Entrepreneurship Talk

**SPEAKER**

**Mr. Kunal Kishor**  
Director, Koshi Motors &  
Fabrication Pvt. Ltd.

**Register Now**  
<https://forms.gle/naVMzZEaQGHZxAta7>

 **06 October, 2023**  **02:30 PM**

**Coordinator**  
Dr. D. S. Rajput

**Co-coordinator**  
Dr. Ajay Kumar Choubey



# Initiative



## नुक्कड़ नाटक कर गुड टच, बेड टच के बारे में बताया

सीहोर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अमिताभ मिश्र के निर्देश पर अशासकीय सत्यसाईं यूनिवर्सिटी में बाल यौन शोषण, गुड टच बेड टच एवं पाक्सो एक्ट से सम्बंधित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया।

जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश कुमार दांगी द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकथाम निषेध एवं निवारण अधिनियम 2013, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, गुड टच बेड टच एवं संवैधानिक मौलिक अधिकार, कर्तव्य आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

नुक्कड़ नाटक आयोजन के पश्चात मुकेश कुमार दांगी, प्रशिक्षु न्यायाधीश हितेषी शर्मा एवं अकांक्षा कुमार उचाड़िया द्वारा विधि के छात्रों को करियर गाइडेंस एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। इसके अलावा विद्यार्थियों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कानून के बारे में भी बताया गया।

# Initiative



श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय सिहोर परिसर मे दिनाँक 07.10.2023 को विधिक साक्षरता एवं जागृति शिविर के अन्तर्गत सिहोर जिला कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश महोदय श्री अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन मे श्री मुकेश कुमार दांगी जिला न्यायाधीश महोदय एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में स्कूल ऑफ लॉ एवं एनएसएस के छात्रों ने मिलकर “बाल यौन शोषण” विषय पर नुक्कड़ नाटक के साथ श्री दांगी जी द्वारा पाक्सो एक्ट, 2012 के प्रावधानो पर व्याख्यान दिए। कार्यक्रम मे प्रशिक्षु न्यायाधीश सुश्री हितेशी शर्मा, सुश्री आकांक्षा उचाड़िया एवं श्री जीशान खान जिला विधिक सेवा अधिकारी तथा विश्विद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी, छात्र सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के उपरान्त विधि विभागाध्यक्ष श्रीमती शोभा व्यास, प्राध्यापक गणेश सिंह एवं NSS की को-आर्डिनेटर श्रीमती गार्गी सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।



## सीहोर

# सत्य साईं प्रौद्योगिकी और चिकित्सा विज्ञान विवि में हुआ नुक्कड़ नाटक बाल यौन शोषण और बच्चों से संबंधित कानून की दी जानकारी

भास्कर संवाददाता | सीहोर

शनिवार को श्री सत्य साईं प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और लॉ विभाग के विद्यार्थियों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीहोर के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। यह नुक्कड़ नाटक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मुकेश तिवारी की अध्यक्षता और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में हुआ। इसका विषय बाल यौन शोषण एवं बच्चों से संबंधित कानून था।

बच्चों के यौन शोषण एवं बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं व योजनाओं की विस्तृत



नुक्कड़ नाटक में अभिनय करते विद्यार्थी।

जानकारी एनएसएस के स्वयं सेवकों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम दी। नुक्कड़ नाटक संस्थान के वरिष्ठ स्वयं सेवक आशीष मेवाड़ा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें संस्थान के स्वयंसेवक ज्ञानेश्वर, श्रद्धा, शिवानी, विधि, करन, पवन, कुहू, वैभव, दीपिका सहित राम पाटीदार ने नुक्कड़ नाटक में सहयोग किया गया। इस मौके पर जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव मुकेश कुमार दांगी, प्रशिक्षु न्यायाधीश हितेशी शर्मा, आकांक्षा कुमार उचाड़िया, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गार्गी सिंह, शोभा व्यास आदि मौजूद थे।

# हरिभूमि

भोपाल - सीहोर भूमि

Date 8 Oct 2023

## बच्चों की सुरक्षा और उनका सर्वोत्तम हित उनका अधिकार : डॉ.मुकेश तिवारी

हरिभूमि न्यूज || सीहोर

श्री सत्य साईं प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय पंचामा सीहोर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और लॉ विभाग के विद्यार्थी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीहोर के संयुक्त तत्वाधान में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

नुक्कड़ नाटक बाल यौन शोषण एवं बच्चों से संबंधित कानून विषय पर विश्वविद्यालय परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.मुकेश तिवारी की अध्यक्षता में किया गया कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सीहोर अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में मुकेश कुमार दांगी जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रशिक्षु न्यायाधीश हितेशी शर्मा एवं आकांक्षा कुमार उचाड़िया, जीशान खान जिला विधिक सहायता अधिकारी



और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ.गार्गी सिंह व सोभा व्यास के मार्गदर्शन में किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में नुक्कड़ नाटक माध्यम से बच्चों के यौन शोषण संबंधी जानकारी एवं बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं व योजनाओं की विस्तृत जानकारी को एनएसएस के

स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम दी।

नुक्कड़ नाटक संस्थान के वरिष्ठ स्वयंसेवक आशीष मेवाड़ा के नेतृत्व में किया गया जिसमें संस्थान के स्वयंसेवक ज्ञानेश्वर, श्रद्धा, शिवानी, विधि, करन, पवन, कुहू, वैभव, दीपिका सहित राम पाटीदार ने नुक्कड़ नाटक में सहयोग किया गया।



# Placement Activity



*Where talent meets opportunity*  
**SRI SATYA SAI UNIVERSITY**  
**OF TECHNOLOGY AND MEDICAL SCIENCES**

**OUR**

**PLACEMENT & TRAINING**

**PARTNER**



**Company :**

Koshi Motors & Fabrication Pvt. Ltd.

**Opportunity :**

Internships & Apprenticeship

**Eligibility :**

Any UG Students



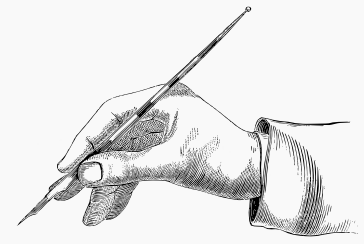
[www.sssutms.co.in](http://www.sssutms.co.in)



**Mr. ADITYA GUPTA**

**Assistant Professor**

**English Language &  
Communication Skills**



## **The Crucial Role of Communication Skills in the Modern Era**

In the present era, characterized by rapid technological advancements and global interconnectedness, communication skills have never been more vital. Whether in personal relationships, education, or the workplace, effective communication has become an indispensable tool for success.

In the digital age, our communication landscape has expanded exponentially. We communicate through emails, text messages, instant messaging apps, and various social media platforms. While these tools provide convenience, they also pose challenges. Misunderstandings, misinterpretations, and the potential for communication breakdowns have become more prevalent. Therefore, the ability to express ideas clearly, concisely, and appropriately is of utmost importance.

Furthermore, the modern workplace places a premium on collaboration and teamwork. Effective communication skills are essential for building and maintaining productive relationships within teams. Clear and empathetic communication fosters trust, understanding, and cohesion among team members, contributing to better problem-solving and increased productivity.

Moreover, the globalized nature of today's economy means that individuals often work with colleagues, clients, and partners from diverse cultural backgrounds. Cultural sensitivity and effective cross-cultural communication are now prerequisites for success in many professions. Understanding different communication styles, norms, and etiquettes is crucial to avoid misunderstandings and promote positive interactions.

In education, communication skills play a pivotal role in both traditional and online learning environments. Students must communicate effectively with instructors and peers, whether through discussions, presentations, or written assignments. Online courses, in particular, demand strong written communication skills as students often engage in text-based discussions and submit assignments electronically.

In conclusion, the present era has brought about a fundamental shift in the way we communicate. To thrive in this dynamic environment, individuals must hone their communication skills. Clear and effective communication ensures that messages are conveyed accurately and understood, facilitates collaboration and teamwork, and helps bridge cultural divides. In an increasingly interconnected world, the ability to communicate effectively is not just an asset; it is a necessity for success in all aspects of life.



# Pervious Concrete Pavement: A Sustainable Solution for University Parking



**Mr. Vikas Patidar**  
Assistant professor,  
Civil Engineering



In the quest for sustainability, universities across the globe are increasingly adopting innovative approaches to reduce their environmental footprint. One such innovation is the use of pervious concrete pavement in university parking lots. This environmentally friendly alternative offers a plethora of benefits, making it a smart choice for universities looking to balance convenience with sustainability.

Pervious concrete pavement, often referred to as porous or permeable concrete, differs from traditional concrete in that it allows water to pass through it, rather than creating impervious surfaces that contribute to urban runoff and water pollution. This feature alone has a substantial positive impact on the environment, as it reduces stormwater runoff, replenishes groundwater, and minimizes the risk of flooding in and around the campus.

One of the primary advantages of pervious concrete in university parking lots is its ability to mitigate heat island effects. Traditional asphalt and concrete parking surfaces absorb and radiate heat, contributing to higher temperatures in urban areas. Pervious concrete, on the other hand, absorbs less heat, helping to lower ambient temperatures. This is especially important in densely populated campuses where green spaces are limited, as it can create a more comfortable environment for students, faculty, & staff.

Moreover, pervious concrete contributes to improved air quality. Traditional parking lots generate dust and pollutants from vehicles, which can be harmful to the respiratory health of the university community. Pervious concrete, by allowing rainwater to infiltrate into the ground, traps and filters out these pollutants, leading to cleaner air and a healthier campus atmosphere.

The maintenance of pervious concrete parking lots is also cost-effective in the long run. While the initial installation cost may be slightly higher than traditional alternatives, the reduced need for repairs and resurfacing offsets this expense. Additionally, its longevity and durability make it a wise investment for universities looking to minimize their infrastructure expenses.

In conclusion, the adoption of pervious concrete pavement in university parking lots is a progressive step towards sustainable campus management. It not only benefits the environment by reducing runoff and heat island effects but also contributes to improved air quality and long-term cost savings. By embracing this eco-friendly technology, universities can set an example for their students and the wider community, demonstrating a commitment to both practical convenience and environmental responsibility. Pervious concrete paves the way for a brighter, greener future on university campuses.





**SHARE YOUR INNOVATIVE IDEAS**

**15th October 2023**

# **INNOVATION DAY**

**Dr APJ Abdul Kalam**

**Dream, Dream,  
Dream. Dreams  
transform into  
thoughts And  
thoughts result in  
action**



**SHOW US YOUR ART OF INNOVATION  
WHICH CAN MAKE A BIG IMPACT OVER THE WORLD**





# SRI SATYA SAI UNIVERSITY OF TECHNOLOGY AND MEDICAL SCIENCES



**जरूरी** - इस पुस्तिका में सभी लेख और तथ्य, कई सामग्रियों के अध्ययन के बाद लिए गए हैं, साथ ही ये लेखक की अपनी सोच है, पाठक इस पर अपनी राय अपने विवेक से लें . - **धन्यवाद**

